केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाता है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 315 बुधवार 10 जून 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कड़ी सुरक्षा में पुलिस परीक्षा सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। मंगलवार को पुलिस भर्ती परीक्षा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। यह परीक्षा जिले के 17 निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी। प्रशासन और पुलिस विभाग ने परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए पूरे समय सतर्कता बरती।

परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई थी। पहली पाली में कुल 6048 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 4779 उपस्थित हुए और 1269 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में भी 6048 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिसमें से 4954 ने परीक्षा दी और 1094 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार, दोनों पालियों को मिलाकर कुल 2363 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की सघन जांच की गई। सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया गया ताकि किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को रोका जा सके।

एपीएन डिग्री कॉलेज, सक्सेरिया इंटर कॉलेज और महिला महाविद्यालय सहित जिले के 17 शिक्षण संस्थानों को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। सुबह से ही इन केंद्रों के बाहर अभ्यर्थियों की भीड़ जुटने लगी थी। निर्धारित समय के भीतर जांच प्रक्रिया पूरी कर अभ्यर्थियों को केंद्रों में प्रवेश दिया गया।

परीक्षा के दौरान, अधिकारियों ने विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों से परीक्षा संचालन की विस्तृत जानकारी ली और आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए।

प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी और सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के कारण परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। परीक्षा समाप्त होने के बाद, सभी अभ्यर्थी व्यवस्थित ढंग से केंद्रों से बाहर निकले।

अपहरण की झूठी सूचना देने वाला गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोनहा पुलिस ने एक युवक को डायल–112 पर फर्जी सूचना देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। युवक ने खुद के अपहरण और मारपीट की झूठी जानकारी दी थी, जिससे पुलिस घंटों परेशान रही। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है।

पुलिस के अनुसार, सोमवार रात लगभग 12रू52 बजे डायल–112 पर एक सूचना प्राप्त हुई। इसमें बताया गया कि सोनहा थाना क्षेत्र के बनरही जंगल निवासी 25 वर्षीय पवन चौहान सुबह से लापता है। पवन ने रात करीब 10रू30 बजे अपने भाई रामबाबू को फोन कर बताया था कि दो लोगों ने उसे जंगल में ले जाकर बंधक बना लिया है और उसके साथ मारपीट कर रहे हैं।

सूचना मिलते ही सोनहा थानाध्यक्ष महेश सिंह ने तत्काल एक पुलिस टीम का गठन किया और युवक की तलाश शुरू की। पवन के मोबाइल नंबर की लोकेशन सर्विलांस सेल की मदद से ट्रेस की गई। पुलिस की त्वरित कार्रवाई के कारण युवक को कुछ ही समय में गौर थाना क्षेत्र के माझा मानपुर गांव निवासी जितेंद्र के घर से सकुशल बरामद कर लिया गया। जांच में सामने आया कि पवन वहीं डीजे बजाने का काम करता है और उसकी दी गई पूरी सूचना फर्जी थी। पूछताछ के दौरान, जब पुलिस ने पवन से फर्जी सूचना देने का कारण पूछा, तो वह पुलिसकर्मियों से उलझने लगा। कानून–व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस संसाधनों के दुरुपयोग को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने आरोपी पवन चौहान को गिरफ्तार कर लिया।

भारत ने तैनात किए 12 परमाणु हथियार

नई दिल्ली (आभा)। भारत ने पहली बार 12 न्यूक्लियर वॉरहेड को ऑपरेशनल रूप से तैनात कर दिया है। यह भारत की न्यूक्लियर पॉलिसी में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। पहले भारत युद्धकालीन स्थिति में ही वॉरहेड और मिसाइलों को जोड़ता था, लेकिन अब कुछ वॉरहेड को मिसाइल साइलो और न्यूक्लियर सबमरीन पर तैयार रखा गया है। इससे भारत की तैयारियों में बढ़ोतरी हुई है।ैप्च्त्प् की रिपोर्ट कहती है कि जनवरी 2026 तक भारत के पास करीब 190 न्यूक्लियर हथियार थे,

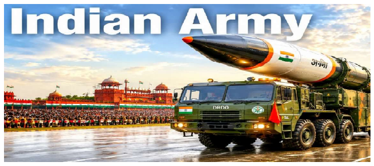

जो पिछले साल से थोड़े बढ़े हैं।

यह बदलाव भारत के न्यूक्लियर ट्रायड (हवाई, जमीन और समुद्री) को और मजबूत बनाने की दिशा में है।ैप्च्त्प् की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अब मिसाइलों को कैनिस्टर में रखने और समुद्री डिटरेंस पेट्रोलिंग जैसे कदम उठा रहा है। इससे शांतिकाल में भी कुछ वॉरहेड लॉन्चर से जुड़े रह सकते हैं। यह कदम सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं का संकेत देता है। भारत का न्यूक्लियर कार्यक्रम हमेशा से रक्षा के लिए रहा है, न कि हमला करने के लिए।

भारत की न्यूक्लियर नीति नो फर्स्ट यूज पर आधारित है। मतलब भारत कभी पहले न्यूक्लियर हमला नहीं करेगा। ये हथियार सिर्फ जवाबी कार्रवाई के लिए हैं। अगर कोई देश भारत या भारतीय सेनाओं पर न्यूक्लियर हमला करता है तो ही इसका इस्तेमाल होगा। भारत अपना न्यूक्लियर शस्त्रागार सीमित लेकिन प्रभावी रखता है। इसका मकसद सिर्फ दुश्मनों को रोकना है, हथियारों की दौड़ में शामिल होना नहीं। यह रिपोर्ट विश्व स्तर पर हथियारों की निगरानी करने वाली प्रमुख संस्था SIPRI की ओर से जारी की गई है। भारत इस बदलाव से अपनी सुरक्षा को और पुख्ता बनाने की कोशिश कर रहा है।

युवक ने फंसरी लगाकर जान दिया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कोतवाली थाना क्षेत्र के चननी गांव में सोमवार सुबह एक 27 वर्षीय युवक ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने सुबह जब उसे जगाने के लिए दरवाजा खटखटाया, तब घटना का पता चला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मृतक की पहचान चननी निवासी संजय कुमार (27) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, संजय रोज की तरह रात में अपने कमरे में सोने गया था। सुबह काफी देर तक उसके बाहर न आने पर परिजनों ने दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब न मिलने पर अंदर झांककर देखा तो उसका शव पंखे से लटका हुआ था। युवक कैली अस्पताल में स्टोनो था।

पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। इस नोट में युवक ने अपनी आत्महत्या के लिए खुद को जिम्मेदार ठहराया है और परिवार से माफी मांगी है। सुसाइड नोट में संजय ने लिखा है, 'मेरी गलती की वजह से पूरा घर बर्बाद हो

गया है, मुझे बहन माला के खाते में पैसा नहीं भिजवाना चाहिए था, सब मेरी वजह से ही हुआ है।

इसमें किसी की कोई गलती नहीं है, तुम बहनों की शादी कर देना अब मैं इस दुनिया से जा रहा हूं, तुम राज कुमार और उसके बच्चों को तथा मेरे मां बाप का ध्यान रखना। उन्हें कभी भी दुख नहीं पहुंचाना। तुम्हारा जैसा मन करेगा वैसा तुम बंटवारा कर लेना। मैं नहीं जानता था कि मेरी गलती मेरी ही जिंदगी बर्बाद कर देगी। तुम लोग मुझे माफ करना मैं जा रहा हूं।'

कोतवाली इंस्पेक्टर मोतीचंद राजभर ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

लापता पति की खोज में भटक रही है पत्नी, परिजन परेशान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। साऊंघाट विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय में चपरासी पद पर कार्यरत पवन कुमार 1 जून से लापता है। इसे लेकर परिजन परेशान है। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के बडेरियाखुर्द निवासी पवन कुमार की पत्नी सुभावती देवी ने पुरानी बस्ती थाने पर दिये तहरीर में कहा है कि उनके पति 1 जून को सायं 7 बजे मंगल बाजार पुरानी बस्ती में सामान खरीदने के लिये निकले थे , काफी खोजबीन किया गया किन्तु वे अभी तक घर नहीं लौटे। वे नीला धारीदार शट, चाकलेट कलर का पैन्ट, पहनकर निकले थे। उनकी लम्बाई पांच फुट 5 इंच और रंग गेहुंआ है। पत्नी सुभावती देवी ने

उनके पति की गुमशुदगी दर्ज कराकर उन्हें सकुशल घर वापस लाये जाने की मांग पुलिस से किया। पवन कुमार के लापता होने से उनका पूरा परिवार परेशान है।

ज्येष्ठ मास के बड़े मंगलवार को भण्डारे में उमड़े लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। ज्येष्ठ मास के पावन अवसर पर बड़े मंगलवार के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, महादेवा शाखा परिसर में श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सहभागिता करते हुए प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक (आरएम) रमेश चंद्र चौधरी एवं शाखा प्रबंधक रूचि बाजपेई द्वारा भगवान श्रीहनुमान जी की विधिवत पूजा–अर्चना एवं आरती के साथ किया गया। पूजा के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण का क्रम प्रारंभ हुआ, जो देर तक चलता रहा। पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण व्याप्त रहा तथा हनुमान जी के जयकारों से माहौल गुंजायमान होता रहा।

इस अवसर पर बैंक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सेवा भाव से श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। आयोजकों ने बताया कि ज्येष्ठ माह के बड़े मंगलवार का विशेष धार्मिक महत्व है। मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीहनुमान जी की पूजा–अर्चना एवं भंडारे के आयोजन से सुख–समृद्धि एवं मंगल की प्राप्ति होती है। इसी भावना के साथ सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और जनसेवा के उद्देश्य से इस भंडारे का आयोजन किया गया।

आयोजकों ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम समाज में एकता और सद्भाव को बढ़ावा देते हैं तथा लोगों को सेवा और परोपकार के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के जनकल्याणकारी एवं धार्मिक आयोजनों को जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

भंडारे के सफल आयोजन में बैंक कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रमुख प्रतिनिधि बनकटी रामायण रघुनाथ सिंह, डॉ. रामप्रताप शुक्ल, जगदम्बा शुक्ल, प्रधान सुरेन्द्र पाल, रमेश अग्रहरी, परमात्मा यादव, अजीत अग्रहरी, राजेश अग्रहरी सहित क्षेत्र के सैकड़ों गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

22 परीक्षाओं में 11514 पीडीए आरक्षित सीटों की सुनियोजित लूट का संदेश जनता तक पहुंचायेगी सपा- महेन्द्रनाथ यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने बुधवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों से वार्ता के दौरान कहा कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार लोगों के बेटे, बेटियों और बहुओं से उनका संविधान प्रदत्त आरक्षण का अधिकार छीनकर आरक्षित सीटों की लूट कर रही है। समाजवादी पार्टी द्वारा पीडीए आरक्षण घोटाला आडिट अंक 1 से तथ्यवार विवरण देते हुये महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि प्रदेश के 22 परीक्षाओं में 11514 पीडीए आरक्षित सीटों की सुनियोजित लूट किया गया है।

पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने संविधान बचाओ, आरक्षण बचाओ पर जोर देते हुये कहा कि भाजपा की सरकार में संवैधानिक संस्थाओं और बाबा साहब द्वारा दिये गये अधिकारों की नियुक्तियों में खुला उल्लंघन हो रहा है। कहा कि सपा अब 'पीडीए ऑडिट अंक–1' के माध्यम से नियुक्तियों में लूट मामलों को जनता के बीच ले जाएगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा

-भाजपा की सरकार में आरक्षित सीटों की लूट आरक्षित वर्गों के अधिकारों का खुला उल्लंघन

शासनकाल में विभिन्न सरकारी भर्तियों में आरक्षित वर्गों के अधिकारों का खुला हनन किया गया है और आरक्षण नियमों की अनदेखी कर नियुक्तियां की गई हैं। उन्होने 'पीडीए ऑडिट अंक–1' का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 2019 की 69 हजार शिक्षक भर्ती में 7,933 पदों पर अनियमितता हुई। इसके अलावा वन एवं वन्यजीव रक्षक भर्ती में 88 पद, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय की भर्ती में पांच पद तथा ग्राम पंचायत अधिकारी भर्ती में 223 पदों पर आरक्षण नियमों का पालन नहीं किया गया। इसी प्रकार से लेखपाल भर्ती, ग्राम पंचायत अधिकारी भर्ती, लेखपाल भर्ती, आशु लिपिक भर्ती, नेत्र परीक्षण अधिकारी भर्ती, पशु चिकित्सक भर्ती,, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी भर्ती सहित अनेक नियुक्तियों में आरक्षण नियमों का पालन न करके पीडीए से उनका अधिकार छीना गया।

सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने योजनाबद्ध तरीके से पिछड़े, दलित और वंचित वर्गों के अधिकारों को प्रभावित किया है। कहा कि पार्टी इस पुस्तक को गांव–गांव और जन–जन तक पहुंचाएगी, ताकि लोगों को भर्ती प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं और आरक्षण से जुड़े मुद्दों की जानकारी मिल सके। कहा कि समाजवादी पार्टी हर उस मुद्दे के खिलाफ है जो संविधान की भावना और देश की एकता–अखंडता के विपरीत हो। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी लोकतंत्र और संविधान में विश्वास रखती है तथा सरकार की नीतियों और कथित विफलताओं को लगातार जनता के बीच ले जाने का काम करती रही है।

प्रेस वार्ता के दौरान विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविंद्र चौधरी 'अतुल' दयाशंकर मिश्र, जावेद पिण्डारी, अरविन्द सोनकर सहित समाजवादी पार्टी के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

हाईस्पीड इंटरनेट से जुड़ेंगी 57 हजार ग्राम पंचायतें

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश के गांवों तक हाई स्पीड ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी पहुंचाने की दिशा में मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'प्रोजेक्ट गंगा' का शुभारंभ किया। यह परियोजना ग्रामीण क्षेत्रों में लास्ट माइल डिजिटल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के साथ–साथ डिजिटल शिक्षा, टेलीमेडिसिन, ई–गवर्नेंस, कौशल

विकास और तकनीक आधारित रोजगार के नए अवसरों का विस्तार करेगी। 57 हजार ग्राम पंचायतों तक प्रोजेक्ट गंगा का नेटवर्क पहुंचेगा।

प्रोजेक्ट गंगा के तहत प्रदेश में डिजिटल सेवा प्रदाताओं (डीएसपी) का एक व्यापक नेटवर्क विकसित किया जाएगा। इसके माध्यम से लगभग 20 लाख परिवारों तक हाई स्पीड इंटरनेट पहुंचाने, 8 से 10 हजार डिजिटल सेवा प्रदाता तैयार करने तथा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से एक लाख से अधिक रोजगार अवसर सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है।

सिंचाई बंधु की बैठक में उठे मुद्दे: सूखी हैं नहरे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती,। किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिलना चाहिए, इससे सम्बन्धित नहरों की सिल्ट सफाई, अवैध कट आदि की तैयारी पूर्व में सुनिश्चित करा लिया जाए। उक्त निर्देश उपाध्यक्ष जनपद सिंचाई बन्धु गजेन्द्र मणि त्रिपाठी ने समिति के नोडल/अधिशासी अभियन्ता सरयू नहर खण्ड–4, बस्ती दिनेश मोहन को दिये। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ किसानों को तत्परता से दिलाया जाए इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं है।

अधिशासी अभियन्ता सरयू नहर खण्ड–4/नोडल ने बताया कि 17 जून से नहरों में पानी आयेगा इसके लिए पूरी तैयारी कर ली गयी है। किसानों के हित में नहरों के अंतिम टेल तक पानी पहुंचाने की कार्ययोजना वर्तमान वित्तीय वर्ष में तैयार कर ली गयी है। इसके आधार पर सतर्कतापूर्वक कार्य किया जा रहा है।

विधायक रूधौली प्रतिनिधि कुलदीप मौर्य ने बताया कि सूरतगढ़ तथा कोहरा माइनर में प्रायः पानी नहीं पहुंच पाता है इसकी शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने सम्बन्धित जे0ई0 को तत्काल प्रभाव से कार्य कराये जाने का निर्देश दिया है।

गन्ना विकास निरीक्षक (क्रय) लाल बहादुर ने बताया कि गन्ना किसानों का 42.66 करोड़ का भुगतान अब तक किया गया है जबकि 73.23 करोड़ भुगतान अवशेष है। आगामी जुलाई तक लगभग 10 करोड़ का और भुगतान करा दिया जायेगा।

ए0ई0 नलकूप प्रदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि जनपद के 56 तालाब व 94 पोखरों में पानी भरवाया गया है। 668 नलकूपों में चार यांत्रिक दोष से तथा तीन विद्युत दोष से बंद हैं अवशेष 661 नलकूप लगातार संचालित है।

विधायक कप्तानगंज प्रतिनिधि गुलाब चन्द सोनकर ने नलकूपों पर खर्च की गयी धनराशि का वित्तीय वर्ष 2025–26 की प्रस्तुत की गयी सूची पर गहरी नाराजगी प्रकट किया और कहा कि सूची संदिग्ध है अगली बैठक में पारदर्शी सूची प्रस्तुत किया जाए। बैठक में विद्युत विभाग से अधिशासी अभियन्ता या एस0डी0ओ0 के प्रतिभाग न किए जाने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जतायी और उन्हें जिला विकास अधिकारी के माध्यम से चेतावनी पत्र देने का निर्देश दिया।

बैठक में उपस्थित जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अधिशासी अभियन्तागण बैठक की अनुपालन आख्या ससमय नोडल अधिकारी को उपलब्ध करा दें ताकि उसे जनप्रतिनिधिगणों को अवलोकन हेतु अगली बैठक से पूर्व भेजा जा सके। उद्यान निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि आम, केला तथा पपीता के लिए बागवानी का लक्ष्य प्राप्त हुआ है इसके लिए कुल 2384 हे0 का लक्ष्य प्राप्त है। बैठक का संचालन सहायक अभियन्ता सरयू नहर खण्ड–4, विजय कुमार आर्य ने किया। बैठक में सांसद प्रतिनिधि जवाहर लाल वर्मा, विधायक सदर प्रतिनिधि मो0 सलीम, राजनारायण तिवारी, गरिमा द्विवेदी, आकाश राय, अम्बिकेश प्रताप सिंह, सहित सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

अभियुक्तों का आरोप पत्र भेजवाने की मांग पीड़ित ने एसपी लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के हल्लौर नगरा निवासी दलित ऋषिराज पुत्र राजेश कुमार ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर ग्लोबल हास्पिटल एण्ड मैटरनिटी सेन्टर सजनाखोर बनकटी में उसकी पत्नी अमृता के डिलेवरी, बच्चे के बारे में कुछ न बताने, केस बिगड जाने पर कैली अस्पताल में उसके पत्नी की बच्चेदानी निकाल देने की विवशता के मामले में दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुये आरोप पत्र न्यायालय में भेजवाये जाने की मांग किया है।

एसपी को दिये पत्र में दलित ऋषिराज ने कहा है कि उसके प्रार्थना पत्र पर न्यायालय के आदेश पर वीरनरायन चौधरी, सूरज चौधरी, मनोज कुमार, राधिका चौधरी, रेनू और रूखसार के विरूद्ध लालगंज थाने पर एससीएसटी धारा के साथ अन्य धारा में नामजद मुकदमा पंजीकृत हुआ किन्तु 8 वर्ष बीत जाने के बाद भी पुलिस ने केवल मनोज कुमार के विरूद्ध न्यायालय में आरोप पत्र भेजा और अन्य के विरूद्ध आरोप पत्र ही नहीं भेजा गया। अभियुक्त पैसा और पहुंच रखने वाले व्यक्ति है, इस कारण से 5 शेष मुल्जिमानों के विरूद्ध आरोप पत्र नहीं भेजा जा रहा है। ऋषि राज ने मांग किया है कि इस गंभीर मामले में 5 शेष मुल्जिमानों के विरूद्ध आरोप पत्र भेजवाने के साथ ही न्याय दिलाने की मांग किया है।

दबंगों ने दलित युवक को दिया जान से मारने की धमकी: पीड़ित ने एसपी से किया न्याय दिलाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दबंगो द्वारा जाति सूचक गालियां देकर मारने–पीटने, घर पर चढकर जान से मारने की धमकी देने के मामले में कप्तानगंज थाना क्षेत्र के सोमा निवासी विशुन पुत्र बरन ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराकर कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

एसपी को दिये पत्र में दलित विशुन ने कहा है कि गत 05 जून को महाराजगंज गेट पर स्थित साइकिल की दुकान पर वह साइकिल बनवाने गया था । वह घर वापस आ रहा था कि हरिराम चौधरी इण्टरनेशनल विद्यालय रेहरवा के पास पूर्व से ही नियोजित तरीके से घात लगाकर बैठे समान्य वर्ग के महेन्द्र चौधरी उर्फ लखन्द्र चौधरी पुत्र रामउजागिर चौधरी, अरूण चौधरी पुत्र रामउजागिर चौधरी, अर्पित वर्मा पुत्र महेन्द्र चौधरी आदि ने रास्ता रोक कर उसे बहन बेटियों की भद्दी–भद्दी जाति सूचक गालियां दी और लात घूसा मुका व लाठी डण्डा से मारने पीटने लगे। हल्ला गुहार पर आस पास के लोगों ने पहुंच कर बीच बचाव किया । उसके बाद डॉयल 112 पुलिस सहायता की मदद लिया गया तब जाकर उसकी जान बची । वह घटना के बाद मुकदमा लिखाने थाने पर गया परन्तु उसका मुकदमा नहीं लिखा गया। थाना–हरैया थानाध्यक्ष प्रभारी को मुकदमा पंजीकृत करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया उसके बाद उक्त लोग उसके घर पर चढ़ कर गाली गलौज जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि मुकदमा दर्ज कराओगे तो पूरे परिवार की हत्या कर देंगे जिससे पूरा परिवार भयभीत है और डर वश पलायन करने पर मजबूर है। पीडित विशुन ने डाक्टरी परिक्षण कराकर दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर न्याय दिलाने की गुहार लगाया है।

एसपी को पत्र देने के दौरान मुख्य रूप से बंश बहादुर, विनोद कुमार, रामलगन गौतम, अमित कुमार, रामलैश, अमृत, विशाल, गुलशन, मुन्ना, अंकित, आदर्श, विनय, अजय, कपिलदेव, अमरजीत, सचिन, सिकन्दर, दिलीप कुमार के साथ गांव की महिलायं शामिल रहीं।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 10 जून 2026 बुधवार

सम्पादकीय

इण्डिया गठबंधन और चुनौतियां

आर्थिक संकट से जुड़ी देशव्यापी चिंताओं, महंगाई और शिक्षा के क्षेत्र में अव्यवस्था के बीच, इंडिया ब्लॉक के बैनर तले एकजुट 23 विपक्षी दलों ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में बैठक की। जो लोग शरीक हुए उनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सोनिया गांधी, समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी शामिल थे। खड़गे ने बैठक के समापन पर पांच मुख्य निर्णयों का एलान किया। ब्लॉक ने चुनावी धोखाधड़ी और वोटों की हेराफेरी से जुड़ी चिंताओं पर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखने का फैसला कियाय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के तुरंत इस्तीफे की मांग कीय गहराते आर्थिक संकट, कृषि संकट और बढ़ती कीमतों से निपटने के लिए केंद्र सरकार से एक सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध कियाय हर दो महीने पर समन्वय बैठक करने और अगली बैठक अगस्त में हैदराबाद में रखने पर सहमति जतायीय और संसद के सत्र के दौरान रोज समन्वय करने की प्रतिबद्धता जाहिर की। ये निर्णय सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर शासन—संबंधी विफलताओं, खास तौर पर अर्थव्यवस्था और शिक्षा के क्षेत्रों में, को लेकर दबाव बनाने और विपक्ष के समन्वय के लिए एक संस्थागत ढांचा बनाये रखने के सामूहिक संकल्प का संकेत देते हैं।

इस बैठक से पहले गठबंधन के भीतर दरारें साफ दिख रही थीं जो हालिया विधानसभा चुनावों के दौरान सामने आयीं। इन चुनावों में, कई राज्यों में घटक दल एक दूसरे के आमने—सामने थे। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के अलग होने की चिंता छायी रही। कभी इंडिया ब्लॉक का सबसे मजबूत दक्षिणी स्तंभ रहा डीएमके बैठक से पूरी तरह दूर रहा। उसने 4 जून को ही इसके बहिष्कार का औपचारिक एलान कर दिया था। यह निर्णय तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद उस कड़वाहट भरे घटनाक्रम की उपज था, जिसमें कांग्रेस ने अभिनेता से राजनेता बने सी. जोसेफ विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में शामिल होने के लिए डीएमके के साथ अपना पुराना नाता तोड़ लिया। बतौर विपक्ष डीएमके की भावी योजनाओं को लेकर काफी अटकलबाजी बनी हुई है। ब्लॉक का अब हिस्सा नहीं होने का पहले ही औपचारिक एलान कर चुकी आम आदमी पार्टी ने भी दूर रहना चुना। एक और बड़ा घटक तृणमूल बंगाल में अपनी चुनावी हार के बाद गंभीर आंतरिक चुनौतियों से जूझ रहा है। वाम—कांग्रेस संबंध में भी खटास आयी है। दोनों पक्ष सांप्रदायिकता से लड़ने में अप्रभावी होने या और भी बदतर, इसमें सह—अपराधी होने का आरोप एक—दूसरे पर लगा रहे हैं। इन सब गैरहाजिरियों और तनावों को एक साथ देखने पर पता चलता है कि संकट के क्षण में गठबंधन कितना नाजुक हो सकता है, और इसके साझेदारों के बीच हितों के संरचनात्मक टकराव कितने गहरे हैं। फिर भी, शरीकदारों के बीच दो सर्वोपरि अनिवार्यताओं पर व्यापक, भले ही अनिच्छुक, सहमति प्रतीत होती है रू भाजपा को मात देना प्रत्येक घटक दल के राजनीतिक अस्तित्व और भारतीय लोकतंत्र की सेहत के लिए जरूरी है, और कांग्रेस, अपनी सभी कमियों और अंतर्विरोधों के बावजूद, भारत में किसी भी विश्वसनीय राष्ट्रीय, धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशील गठन की अपरिहार्य धुरी बनी हुई है।

ग्रेट निकोबार परियोजना

राष्ट्रीय सुरक्षा की रणनीति के रूप में अक्सर चर्चित होने वाली परियोजना, ग्रेट निकोबार द्वीप समूह का विकास हैरतअंगेज तरीके से एक कमजोर रणनीतिक रिकॉर्ड पर आधारित है। इस परियोजना की अनुमानित लागत अब 91,000 करोड़ रुपये है। केंद्र सरकार लंबे समय से अपनी प्रमुख परियोजना – गलाथिया खाड़ी में स्थित एक 'ट्रांसशिपमेंट पोर्ट' – के "रणनीतिक" स्वरूप का हवाला देते हुए, अपनी पर्यावरणीय मंजूरियों से संबंधित जानकारियां छिपाती रही है। फिर भी, वित्त मंत्रालय के एक निकाय, सार्वजनिक निवेश बोर्ड (पीआईबी) ने अगस्त 2024 में पाया कि उक्त बंदरगाह में "रणनीतिक उद्देश्यों का अभाव" है। वह लेबल बाद में रक्षा मंत्रालय की तरफ से आया और यह किसी मूलभूत तर्क की तरह कम और हिसाब—किताब (बैलेंस शीट) में बाद में जोड़े गए एक विचार जैसा ज्यादा मालूम होता है। पीआईबी और सार्वजनिक—निजी भागीदारी मूल्यांकन समिति (पीपीपीएसी) दोनों ने इस प्रस्ताव को मंजूरी तो दे दी, लेकिन फिर भी पीपीपीएसी ने व्यवहार्यता अंतर निधि (वायबिलिटी गैप फंडिंग) के रूप में 12,230 करोड़ रुपये देने से इनकार कर दिया और पत्तन (पोर्ट) मंत्रालय को अपने बजट से ही धन जुटाने को कहा – राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण बताकर बेची गई इस परियोजना के लिए यह एक असामान्य फटकार है। अगर यह बंदरगाह वाणिज्यिक फायदों पर निर्भर नहीं रह सकता है और अगर इसका वास्तविक मकसद सैन्य है, तो वाणिज्यिक माल ढुलाई केंद्र का मामला ही खत्म हो जाता है।

ग्रेट निकोबार, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के दक्षिणी छोर पर स्थित है। यह द्वीप उष्णकटिबंधीय वर्षावन और दुर्लभ पारिस्थितिक महत्व की चट्टानों से घिरा हुआ है। इस परियोजना – बंदरगाह, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, विद्युत संयंत्र और टाउनशिप – के तहत उस जंगल के विशाल भूभाग को साफ कर दिया जाएगा, जिसमें से अधिकांश प्राचीन वन हैं और इससे चमड़े की पीठ वाले कछुए (लेदरबैक टर्टल) के घोंसले वाले समुद्र तटों और स्थानिक निकोबार मेगापोड के प्राकृतिक वास में खलल पैदा होगा। इस द्वीप का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यह नुकसान अपरिवर्तनीय होगा तथा कहीं और लगाए गए वनों की तादाद यहां काटे गए वनों की भरपाई नहीं कर सकती। इस द्वीप के मूल निवासियों की अपनी आपत्तियां हैं, जो पारिस्थितिक आपत्तियों के समानांतर तो हैं लेकिन उन्हें सिर्फ उन्हीं तक सीमित नहीं किया जा सकता। जनजातीय परिषदों ने कहा है कि सहमति पूरी जानकारी दिए बिना हासिल की गई थी और उन्होंने मांग की है कि पैतृक भूमि और 2004 की सुनामी के बाद किए गए पुनर्वास के वादे को इस परियोजना के नाम पर नकारा न जाए। उनकी आलोचना किसी भी प्रकार के विकास का विरोध नहीं है। मसला पैमाने, गोपनीयता और क्रम को लेकर है एक ऐसी परियोजना जिसकी कल्पना इतनी व्यापकता से की गई है कि यह द्वीप उसे संभाल ही नहीं सकता। पारदर्शिता इसका उपाय है। केंद्र सरकार को इस उच्चाधिकार प्राप्त समिति की पूरी रिपोर्ट को जारी करना चाहिए, सार्वजनिक खजाने पर पड़ने वाली वास्तविक लागत का खुले तौर पर हिसाब देना चाहिए और इस परियोजना को उस पर्यावरणीय नुकसान के बरक्स तौलना चाहिए, जिसकी भरपाई खजाना कभी नहीं कर सकता। इस पैमाने की परियोजना के लिए देश को कम से कम इतनी जानकारी तो देनी ही चाहिए।

विकास का इंजन, और असुरक्षित मध्यम वर्ग

—डॉ. प्रियंका सौरभ—

भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। वैश्विक मंच पर उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति, विशाल युवा आबादी, डिजिटल क्रांति और बढ़ते उपभोक्ता बाजार की चर्चा लगातार हो रही है। इस विकास यात्रा के केंद्र में यदि कोई सामाजिक—आर्थिक वर्ग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है तो वह है भारत का मध्यम वर्ग। यही वर्ग देश में उपभोग बढ़ाता है, बचत करता है, निवेश करता है, कर देता है, शिक्षा और कौशल में निवेश करता है तथा आर्थिक गतिविधियों को निरंतर गति प्रदान करता है। किसी भी आधुनिक अर्थव्यवस्था में मध्यम वर्ग को विकास का इंजन माना जाता है क्योंकि उसकी आय और आकांक्षाएं उत्पादन तथा बाजार दोनों को संचालित करती हैं। भारत में भी मध्यम वर्ग को भविष्य के आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता और लोकतांत्रिक मजबूती का आधार माना जाता है। इसके बावजूद एक विडंबना यह है कि भारतीय मध्यम वर्ग का बड़ा हिस्सा स्वयं आर्थिक रूप से सुरक्षित नहीं है। वह गरीबी से ऊपर तो उठ चुका है, लेकिन स्थायी समृद्धि और सुरक्षा तक नहीं पहुंच पाया है। यही स्थिति अर्थशास्त्र में षमिसिंग मिडिलष अर्थात ष्लुप्त या कमजोर मध्य वर्गष की परिघटना के रूप में पहचानी जाती है।

'मिसिंग मिडिल' का आशय उस स्थिति से है जिसमें समाज में गरीबों और अमीरों के बीच स्थित मध्यम वर्ग पर्याप्त रूप से मजबूत नहीं होता या उसकी आर्थिक स्थिति इतनी स्थिर नहीं होती कि वह किसी संकट का सामना कर सके। भारत में लाखों परिवार ऐसे हैं जो आय के आधार पर मध्यम वर्ग में गिने जाते हैं, लेकिन उनके पास पर्याप्त बचत, सामाजिक सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच या दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता नहीं होती। परिणामस्वरूप वे किसी बीमारी, नौकरी जाने, व्यवसाय में नुकसान या आर्थिक मंदी जैसी परिस्थितियों में तेजी से आर्थिक संकट में फंस सकते हैं। कोविड—19 महामारी ने इस वास्तविकता को बहुत स्पष्ट रूप से सामने ला दिया था। महामारी के दौरान लाखों ऐसे परिवार, जो स्वयं को मध्यम वर्ग का हिस्सा मानते थे, अचानक आय के स्रोत समाप्त होने, चिकित्सा खर्च बढ़ने और रोजगार अस्थिर होने के कारण आर्थिक कठिनाइयों में आ गए। इससे यह स्पष्ट हुआ कि भारत का मध्यम वर्ग संख्या में बड़ा होने के बावजूद सुरक्षा के मामले में कमजोर है।

भारतीय मध्यम वर्ग की सबसे बड़ी शक्ति उसकी उपभोग क्षमता है। देश में घर, वाहन, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं, शिक्षा, स्वास्थ्य, बीमा, पर्यटन और डिजिटल सेवाओं की मांग का बड़ा हिस्सा इसी वर्ग से आता है। जब मध्यम वर्ग की आय बढ़ती है तो वह अधिक वस्तुओं और सेवाओं की खरीद करता है, जिससे उद्योगों का विस्तार होता है, निवेश बढ़ता है और नए रोजगार सृजित होते हैं। यही कारण है कि विकसित देशों की आर्थिक सफलता के पीछे मजबूत मध्यम वर्ग को एक प्रमुख कारक माना जाता है। भारत भी यदि विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है तो उसे अपने मध्यम वर्ग को अधिक मजबूत और सुरक्षित बनाना होगा। लेकिन वर्तमान में यह वर्ग कई प्रकार की चुनौतियों से घिरा हुआ है।

सबसे पहली चुनौती रोजगार की गुणवत्ता और स्थिरता से जुड़ी है। भारत में रोजगार का एक बड़ा हिस्सा अभी भी असंगठित क्षेत्र में है। यहां कार्यरत लोगों को नियमित वेतन, भविष्य निधि, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा या अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ नहीं मिलते। शिक्षित युवाओं की बड़ी संख्या भी ऐसी नौकरियों में काम कर रही है जो उनकी योग्यता के अनुरूप नहीं हैं। रोजगार के अवसर तो बढ़ रहे हैं, लेकिन उनमें से कई अस्थायी, संविदा आधारित या कम वेतन वाले हैं। गिग अर्थव्यवस्था और प्लेटफॉर्म आधारित रोजगार ने नए अवसर तो पैदा किए हैं, लेकिन उनमें भी दीर्घकालिक सुरक्षा का अभाव है। ऐसे में मध्यम वर्ग के लिए भविष्य की आर्थिक योजना बनाना कठिन हो जाता है।

दूसरी बड़ी चुनौती स्वास्थ्य और शिक्षा के बढ़ते खर्च की है। भारत में गुणवत्तापूर्ण सरकारी स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं की सीमित उपलब्धता के कारण मध्यम वर्ग को निजी संस्थानों पर निर्भर रहना पड़ता है। बच्चों की शिक्षा, कोचिंग, उच्च शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाला व्यय परिवारों की आय का बड़ा हिस्सा खा जाता है। किसी गंभीर बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में वर्षों की बचत समाप्त हो सकती है। अनेक अध्ययन बताते हैं कि भारत में स्वास्थ्य पर होने वाला व्यक्तिगत खर्च आज भी काफी अधिक है। यह स्थिति मध्यम वर्ग को आर्थिक रूप से असुरक्षित बनाती है और उसे लगातार वित्तीय दबाव में रखती है।

तीसरी चुनौती महंगाई और जीवन—यापन की बढ़ती लागत है। महानगरों और बड़े शहरों में आवास, परिवहन, ऊर्जा, भोजन और अन्य आवश्यक सेवाओं की कीमतों में लगातार वृद्धि हुई है। हालांकि आय में भी वृद्धि होती है, लेकिन कई बार वह महंगाई की गति के अनुरूप नहीं होती। परिणामस्वरूप वास्तविक आय और क्रय शक्ति प्रभावित होती है। मध्यम वर्ग को अपने जीवन स्तर को बनाए रखने के लिए अधिक ऋण लेना पड़ता है। गृह ऋण, वाहन ऋण, शिक्षा ऋण और उपभोक्ता ऋणों का बढ़ता बोझ भी वित्तीय असुरक्षा को बढ़ाता है।

'मिसिंग मिडिल' की समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू सामाजिक सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। भारत में गरीबों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं उपलब्ध हैं, जैसे मुफ्त राशन, स्वास्थ्य बीमा, आवास सहायता और अन्य सामाजिक लाभ। दूसरी ओर उच्च आय वर्ग के पास निजी संसाधन और निवेश होते हैं, जिनसे वे जोखिमों का सामना कर सकते हैं। लेकिन मध्यम वर्ग अक्सर इन दोनों के बीच फंस जाता है। वह सरकारी सहायता योजनाओं के लिए पात्र नहीं होता, जबकि निजी सुरक्षा और सेवाओं की पूरी लागत वहन करना भी उसके लिए कठिन होता है। यही कारण है कि किसी भी अप्रत्याशित संकट की स्थिति में वह तेजी से आर्थिक अस्थिरता की ओर बढ़ सकता है।

भारत में छोटे और मध्यम उद्यमों की सीमित वृद्धि भी 'मिसिंग मिडिल' की समस्या को बढ़ाती है। छोटे व्यवसाय अक्सर वित्त, तकनीक और बाजार तक पर्याप्त पहुंच के अभाव में बड़े नहीं बन पाते। परिणामस्वरूप वे बड़ी संख्या में उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार उत्पन्न नहीं कर पाते। यदि छोटे और मध्यम उद्यम मजबूत हों तो वे रोजगार सृजन और आय वृद्धि के माध्यम से मध्यम वर्ग का विस्तार कर सकते हैं। लेकिन वर्तमान में अनेक उद्यम नियामकीय जटिलताओं, पूंजी की कमी और प्रतिस्पर्धात्मक दबावों से जूझ रहे हैं।

मध्यम वर्ग की एक और चुनौती है संपत्ति निर्माण की सीमित क्षमता। विकसित देशों में मध्यम वर्ग के पास आवास, पेंशन फंड, निवेश पोर्टफोलियो और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां होती हैं, जो उन्हें दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान करती हैं। भारत में बड़ी संख्या में मध्यमवर्गीय परिवारों की बचत सीमित होती है और उनका अधिकांश संसाधन दैनिक खर्चों तथा बच्चों के भविष्य पर केंद्रित रहता है। इससे वे पर्याप्त संपत्ति निर्माण नहीं कर पाते। वित्तीय बाजारों में भागीदारी बढ़ने के बावजूद अभी भी बड़ी संख्या में लोग दीर्घकालिक निवेश के प्रति जागरूक नहीं हैं।

भारत के मध्यम वर्ग को एक मजबूत और लचीली आर्थिक शक्ति में बदलने के लिए बहुआयामी नीति हस्तक्षेप आवश्यक हैं। सबसे पहले गुणवत्तापूर्ण रोजगार सृजन को राष्ट्रीय विकास रणनीति का केंद्र बनाया जाना चाहिए। विनिर्माण क्षेत्र, हरित ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं और आधुनिक सेवा क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा किए जाने चाहिए। रोजगार केवल संख्या में नहीं, बल्कि गुणवत्ता और सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी बेहतर होने चाहिए। श्रम बाजार में कौशल विकास और पुनः कौशल विकास कार्यक्रमों को भी मजबूत किया जाना चाहिए ताकि बदलती तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यबल तैयार हो सके।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम स्वास्थ्य और शिक्षा में सार्वजनिक निवेश बढ़ाना है। यदि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सरकारी विद्यालय, विश्वविद्यालय और अस्पताल उपलब्ध होंगे तो मध्यम वर्ग पर निजी खर्च का बोझ कम होगा। इससे उनकी बचत और निवेश क्षमता बढ़ेगी तथा आर्थिक सुरक्षा मजबूत होगी। शिक्षा और स्वास्थ्य केवल सामाजिक सेवाएं नहीं हैं, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक विकास के आधार भी हैं।

तीसरा, सामाजिक सुरक्षा के दायरे को व्यापक बनाया जाना चाहिए। असंगठित क्षेत्र, गिग अर्थव्यवस्था और स्वरोजगार से जुड़े लोगों के लिए पेंशन, बीमा और आय सुरक्षा योजनाओं का विस्तार आवश्यक है। सामाजिक सुरक्षा को केवल गरीबों तक सीमित रखने के बजाय व्यापक मध्यम वर्ग तक पहुंचाने की आवश्यकता है। इससे आर्थिक झटकों के समय परिवारों को सुरक्षा मिलेगी और वे पुनः गरीबी में गिरने से बच सकेंगे।

चौथा, किफायती आवास और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना चाहिए। मध्यम वर्ग के लिए घर का स्वामित्व आर्थिक स्थिरता का महत्वपूर्ण आधार है। सरकार और वित्तीय संस्थानों को ऐसी नीतियां विकसित करनी चाहिए जो मध्यम आय वर्ग को सस्ती दरों पर आवास ऋण और अन्य वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध करा सकें। साथ ही निवेश और बचत को प्रोत्साहित करने वाली योजनाओं को और अधिक आकर्षक बनाया जाना चाहिए।

पांचवां, छोटे और मध्यम उद्यमों को मजबूत करने की दिशा में विशेष प्रयास होने चाहिए। वित्तीय सहायता, तकनीकी उन्नयन, डिजिटल प्लेटफॉर्म तक पहुंच और निर्यात अवसरों को बढ़ाकर इन उद्यमों को विकास का नया आधार बनाया जा सकता है। जब ये उद्यम बढ़ेंगे तो गुणवत्तापूर्ण रोजगार सृजित होंगे और मध्यम वर्ग का विस्तार होगा।

छठा, कर प्रणाली को अधिक संतुलित और न्यायसंगत बनाना आवश्यक है। मध्यम वर्ग पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के प्रभाव का समुचित मूल्यांकन करते हुए ऐसी नीतियां बनाई जानी चाहिए जो उनकी क्रय शक्ति को मजबूत करें। कर संग्रह और सामाजिक सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित करना समय की मांग है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत का मध्यम वर्ग केवल एक आर्थिक श्रेणी नहीं, बल्कि देश की विकास यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक आधार है। यह वर्ग उपभोग, निवेश, नवाचार और सामाजिक स्थिरता का वाहक है। किंतु 'मिसिंग मिडिल' की परिघटना के कारण इसका बड़ा हिस्सा आर्थिक रूप से असुरक्षित बना हुआ है। यदि भारत को दीर्घकालिक और समावेशी विकास सुनिश्चित करना है तो उसे अपने मध्यम वर्ग को केवल संख्या के आधार पर नहीं, बल्कि सुरक्षा, अवसर और संपन्नता के आधार पर भी मजबूत बनाना होगा। रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, वित्तीय समावेशन और उद्यमिता को केंद्र में रखकर बनाई गई नीतियां ही इस वर्ग को एक सशक्त और लचीली आर्थिक शक्ति में बदल सकती हैं। जब भारत का मध्यम वर्ग वास्तव में सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध होगा, तभी देश की विकास गाथा अधिक टिकाऊ, समावेशी और व्यापक बन सकेगी।

फर्जी डिग्रियां और टूटता भरोसा

—डॉ. सत्यवान सौरभ—

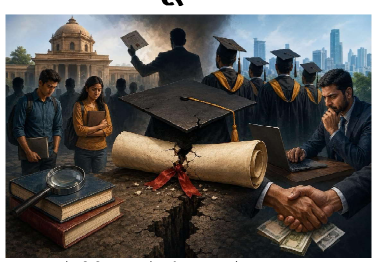

भारत आज दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। यीह युवा शक्ति ही उसकी सबसे बड़ी पूंजी मानी जाती है। देश के लाखों विद्यार्थी हर वर्ष कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं, विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रमों और व्यावसायिक प्रशिक्षणों से गुजरते हैं। वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए दिन—रात मेहनत करते हैं। परिवार अपनी बचत, समय और उम्मीदें उनकी शिक्षा पर खर्च करते हैं। लेकिन जब फर्जी डिग्रियों, पेपर लीक, नकल माफिया और शैक्षणिक भ्रष्टाचार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कुछ संस्थानों या व्यक्तियों की साख नहीं गिरती, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था पर से भरोसा डगमगाने लगता है। यही कारण है कि शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता का प्रश्न आज केवल अकादमिक बहस का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुका है।

हाल के वर्षों में भारत में अनेक ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और प्रशिक्षण संस्थानों पर अनियमितताओं के आरोप लगे। कहीं फर्जी अंकपत्र जारी किए गए, कहीं बिना पर्याप्त पढ़ाई और मूल्यांकन के डिग्रियां बांटने की शिकायतें मिलीं, तो कहीं भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में धांधली के आरोप लगे। इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा किया है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था वास्तव में योग्यता आधारित है या फिर उसमें ऐसे छेद पैदा हो चुके हैं जिनका लाभ उठाकर कुछ लोग अनुचित तरीके से आगे बढ़ रहे हैं।

शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल प्रमाणपत्र देना नहीं होता। शिक्षा व्यक्ति को ज्ञान, कौशल, विवेक और जिम्मेदारी प्रदान करती है। एक डॉक्टर की डिग्री केवल एक कागज नहीं होती, बल्कि यह प्रमाण होती है कि उसने मानव जीवन की रक्षा करने योग्य ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त किया है। एक इंजीनियर की डिग्री यह भरोसा देती है कि वह सुरक्षित भवन, पुल और तकनीकी संरचनाएं तैयार करने की क्षमता रखता है। एक शिक्षक की डिग्री इस बात की गारंटी मानी जाती है कि वह नई पीढ़ी को सही दिशा देने में सक्षम है। यदि इन डिग्रियों की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगें तो समाज का पूरा विश्वास तंत्र कमजोर पड़ने लगता है।

सबसे बड़ी समस्या यह है कि फर्जी डिग्रियों का नुकसान केवल उन लोगों तक सीमित नहीं रहता जो इन्हें हासिल करते हैं। इसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। यदि कोई अयोग्य व्यक्ति डॉक्टर बन जाए तो मरीजों का जीवन खतरे में पड़ सकता है। यदि किसी तकनीकी पद पर अयोग्य इंजीनियर पहुंच जाए तो सार्वजनिक परियोजनाओं की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। यदि शिक्षा संस्थानों में अयोग्य शिक्षक नियुक्त हो जाएं तो आने वाली पीढ़ियों की बौद्धिक क्षमता पर असर पड़ सकता है। इसलिए यह केवल धोखाधड़ी का मामला नहीं, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा और सामाजिक विश्वास का भी प्रश्न है।

भारत में उच्च शिक्षा का तेजी से विस्तार हुआ है। यह आवश्यक भी था क्योंकि करोड़ों युवाओं को शिक्षा उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन कई बार विस्तार की गति गुणवत्ता नियंत्रण से अधिक तेज रही। परिणामस्वरूप कुछ संस्थान केवल डिग्री वितरण केंद्र बनकर रह गए।

लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर संकट?

— ललित गर्ग—

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह केवल मतदान की व्यवस्था नहीं, बल्कि संवाद, सहमति, असहमति, संवैधानिक मर्यादाओं और सामाजिक उत्तरदायित्वों का एक सशक्त तंत्र है। लोकतंत्र की शक्ति विरोध में निहित है, लेकिन उसकी गरिमा विरोध की शैली, उद्देश्य और मर्यादा से निर्धारित होती है। हाल के दिनों में चर्चित हुई तथाकथित 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) इसी संदर्भ में गंभीर विमर्श की मांग करती है। यह आंदोलन प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरोध के नाम पर उभरा। प्रारम्भ में यह सोशल मीडिया पर व्यंग्यात्मक अभियान के रूप में सामने आया और बाद में दिल्ली के जंतर—मंतर तक पहुंच गया। इसके समर्थकों ने इसे युवाओं के आक्रोश की अभिव्यक्ति बताया, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या यह वास्तव में शिक्षा सुधार का आंदोलन है या लोकतांत्रिक असंतोष को व्यंग्य, उपहास और राजनीतिक ध्रुवीकरण की दिशा में मोड़ने वाला एक नया प्रयोग?

भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार देता है। किंतु कोई भी अधिकार निरंकुश नहीं होता। लोकतंत्र में विरोध का उद्देश्य समाधान की खोज होना चाहिए, न कि अराजकता का विस्तार। यदि विरोध का स्वर केवल उपहास, आक्रोश और टकराव तक सीमित रह जाए, तो वह लोकतंत्र को मजबूत करने के बजाय कमजोर करने लगता है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' का नाम ही एक नकारात्मक और व्यंग्यात्मक मानसिकता का परिचायक है। किसी राजनीतिक दल की नकल करते हुए स्वयं को "कॉकरोच" के प्रतीक से जोड़ना लोकतांत्रिक विमर्श को गंभीरता से अधिक तमाशे में बदलने का प्रयास प्रतीत होता है। लोकतंत्र में व्यंग्य का स्थान है, लेकिन व्यंग्य यदि विचार का स्थान ले ले, तो वह जनमत को भ्रमित भी कर सकता है।

किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन उसकी मांगों और कार्यप्रणाली से किया जाता है। सीजेपी की प्रमुख मांगें हैं—परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, पेपर लीक की रोकथाम, शिक्षा मंत्री का इस्तीफा तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना। इनमें से अधिकांश मांगें ऐसी हैं जिन पर देश का हर जिम्मेदार नागरिक सहमत हो सकता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इन मांगों को मनवाने का तरीका भी उतना ही जिम्मेदार है? क्या कॉकरोच के मुखौटे पहनना, राजनीतिक व्यंग्य को आंदोलन का आधार बनाना और सोशल मीडिया पर उत्तेजक अभियानों को बढ़ावा देना शिक्षा सुधार का व्यावहारिक मार्ग है? क्या इससे सरकार, विशेषज्ञों और समाज के बीच सार्थक संवाद स्थापित होगा? इतिहास बताता है कि स्थायी परिवर्तन नारेबाजी से नहीं, बल्कि वैचारिक स्पष्टता, संगठनात्मक अनुशासन और रचनात्मक दबाव से आते हैं।

भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। लेकिन यही शक्ति यदि निराशा, बेरोजगारी और असंतोष से घिर जाए तो विभिन्न राजनीतिक शक्तियों के लिए उपयोग का साधन भी बन सकती है। आज देश का युवा प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार और भविष्य को लेकर चिंतित है। यह चिंता वास्तविक है। लेकिन हर वास्तविक चिंता के साथ एक खतरा भी जुड़ा होता है—उसका राजनीतिक दोहन। जब किसी आंदोलन के पीछे विभिन्न राजनीतिक समूहों, सत्ता—विरोधी संगठनों और वैचारिक एजेंडों की उपस्थिति दिखाई देने लगे, तब यह आशंका स्वाभाविक हो जाती है कि कहीं युवाओं की पीड़ा को राजनीतिक हथियार तो नहीं बनाया जा रहा। यदि छात्र आंदोलन शिक्षा सुधार की जगह सरकार—विरोधी अभियान में बदल जाए, तो सबसे बड़ा नुकसान स्वयं छात्रों का होता है। युवाओं को यह समझना होगा कि वे किसी राजनीतिक प्रयोगशाला के उपकरण नहीं हैं। उनकी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण के लिए है, किसी छिपे हुए राजनीतिक एजेंडे के लिए नहीं।

अफेयर से नाराज पिता ने 2 बेटियों को मार डाला

शीला, छोटी बहन — लाली, बड़ी बहन

संवाददाता—कुशीनगर। दो सगी बहनों की उनके पिता और भाइयों ने लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी। पिता और दोनों भाई बहनों के प्रेम प्रसंग से नाराज थे। करीब 15 दिन पहले उन्होंने दोनों के मोबाइल भी छीन लिए थे, लेकिन इसके बावजूद बहनों ने अपने प्रेमियों से मिलना-जुलना नहीं छोड़ा। पुलिस के मुताबिक, दोनों बहनों का गांव के ही दो सजातीय युवकों से प्रेम संबंध था। पिता इस रिश्ते का विरोध करता था और कई बार बेटियों को युवकों से मिलने से मना कर चुका था। इसके अलावा उसने दोनों युवकों के खिलाफ तीन बार एफआईआर भी दर्ज कराई थी। वारदात सोमवार देर शाम जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर सेवरही थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस ने दोनों आरोपी भाइयों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि पिता फरार है। घटना के बाद घर से कुछ दूरी पर खून से सने डंडे भी बरामद किए गए हैं। सेवरही थाना क्षेत्र के पिपराघाट एहतमाली स्थित देवनारायण टोला के राम प्रसाद निषाद खेती-बाड़ी का काम करते हैं। पत्नी की एक साल पहले मौत हो चुकी है। परिवार में तीन बेटियां और दो बेटे हैं। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। दो बेटियां लाली (20) और शीला (18) पिता के साथ खेती में हाथ बंटाती थीं। आर्थिक स्थिति सही नहीं होने पर पिता ने बेटियों को 5वीं तक ही पढ़ाया था। जबकि बड़ा बेटा सूरज कक्षा 8 और छोटा बेटा नितीश कक्षा 6 में पढ़ते हैं। पड़ोसियों के अनुसार, दोनों बहनों का गांव के ही दो स्वजातीय युवकों से प्रेम संबंध था। पिता को यह नागवार लगती थी। पिता की इच्छा के विपरीत तीन बार लड़कियां अपने प्रेमियों के साथ घर छोड़ भी चुकी थीं। पुलिस के अनुसार, पिता ने दोनों युवकों के खिलाफ तीन बार एफआईआर दर्ज कराई थी। कई बार पुलिस दोनों युवतियों को बरामद कर परिवार को सौंप चुकी थी, लेकिन उनका संपर्क युवकों से बना रहा। करीब 15 दिन पहले परिवार ने दोनों बहनों के मोबाइल फोन छीन लिए थे। पुलिस के अनुसार, ये मोबाइल उन्हें उनके प्रेमियों ने दिए थे। इसके बाद घर में तनाव और बढ़ गया था।

पति से विवाद के बाद महिला ने फांसी लगाई

संवाददाता—देवरिया। सदर कोतवाली क्षेत्र की भुजौली कॉलोनी में मंगलवार सुबह एक महिला ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच की जा रही है। मृतका की पहचान 40 वर्षीय शिल्पी उर्फ बेबी, पत्नी प्रदीप गुप्ता, निवासी भुजौली कॉलोनी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार मंगलवार सुबह किसी बात को लेकर शिल्पी और उनके पति प्रदीप गुप्ता के बीच विवाद हुआ था। प्रदीप की फोटोकॉपी की दुकान है और दोनों के बीच पहले भी कहासुनी होती रहती थी। बताया जा रहा है कि विवाद के बाद शिल्पी अपने कमरे में चली गई। कुछ देर बाद परिजनों ने उन्हें पंखे की कुंडी से दुपट्टे के सहारे लटका हुआ देखा। इसके बाद परिवार के लोग तत्काल उन्हें नीचे उतारकर महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज ले गए। मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने जांच के बाद शिल्पी को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से सूचना मिलने पर सदर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

सड़क दुर्घटना में मां की मौत, बेटा गंभीर

संवाददाता—श्रावस्ती। बहराइच-भिनगा फोरलेन पर सोनवा क्षेत्र के शिवालापुरवा के पास मंगलवार सुबह तेज रफ्तार कार ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार मां की कुचलकर दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बेटा घायल हो गया। हादसे के बाद कार चालक कार सहित मौके से भाग गया। सोनवा थाना क्षेत्र के लक्ष्मणनगर निवासी सुमन देवी (52) पत्नी राजेश कुमार गुप्ता मंगलवार सुबह किसी काम से बेटे अनिल के साथ बाइक से बहराइच गई थी। वहां से वापस घर लौटते समय बहराइच-भिनगा फोरलेन पर शिवालापुरवा के पास बाइक में पीछे से तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद सुमन उछल कर सड़क पर गिर गई।

इसके बाद कार चालक उन्हें कुचलते हुए भाग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल भिनगा भिजवाया। यहां चिकित्सक ने सुमन देवी को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी बिशुनदेव पांडेय ने बताया कि हादसे की जांच की जा रही है। सीसीटीवी कैमरों की मदद से कार चालक की तलाश की जा रही है।

दरोगा 5 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

संवाददाता—बहराइच। एंटी करप्शन टीम ने रिसिया थाने में तैनात उपनिरीक्षक सुभाष चंद्र चौहान को 5,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपी उपनिरीक्षक को थाना परिसर से ही पकड़ा। यह मामला रिसिया थाने से जुड़ा है। ग्राम रमुआपुर निवासी शिकायतकर्ता राम हुकुम मौर्य के खिलाफ थाने में एक मुकदमा दर्ज था। आरोप है कि उपनिरीक्षक सुभाष चंद्र चौहान इस मुकदमे में छेड़खानी की धारा न बढ़ाने और जेल न भेजने के लिए 5,000 रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा था। पीड़ित ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम से की। शिकायत मिलने के बाद एंटी करप्शन देवीपाटन मंडल, गोंडा के ट्रैप टीम प्रभारी, निरीक्षक धनंजय कुमार सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। आज दोपहर करीब 2 बजकर 17 मिनट पर, जैसे ही दरोगा सुभाष चंद्र चौहान ने रिसिया थाने के अपने सरकारी कमरे में पीड़ित से 5,000 रुपये की रिश्वत ली, जाल बिछाकर बैठी एंटी करप्शन टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। गोरखपुर के सहजनवां निवासी दरोगा सुभाष चंद्र चौहान को गिरफ्तार कर बहराइच के थाना कोतवाली देहात लाया गया है। उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पीएम स्वनिधि योजना के 6 साल पूरे, लोक कल्याण मेले में पथ विक्रेताओं को प्रमाण-पत्र वितरित

संवाददाता—महराजगंज। प्रधानमंत्री स्वनिधि (पीएम स्वनिधि) योजना के छह वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मंगलवार को नगर पालिका परिषद महाराजगंज के सभागार में लोक कल्याण मेला एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर योजना के तहत लाभ प्राप्त कर अपने स्वरोजगार को सशक्त बनाने वाले पथ विक्रेताओं को प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नगर क्षेत्र के बड़ी संख्या में पथ विक्रेताओं ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि सदर विधायक जय मंगल कन्नौजिया ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना रेहड़ी, पटरी और ठेला लगाकर जीविकोपार्जन करने वाले छोटे व्यापारियों के लिए वरदान साबित हुई है। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से बिना किसी जटिल प्रक्रिया के आसान ऋण उपलब्ध कराया गया, जिससे हजारों पथ विक्रेताओं को अपना व्यवसाय बढ़ाने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला।

कार्यक्रम में बताया गया कि योजना के तहत समय पर ऋण चुकाने वाले लाभार्थियों को अधिक राशि का पुनः ऋण, ब्याज में सब्सिडी और डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन भी प्रदान किया जा रहा है। इससे छोटे व्यापारियों की आय में वृद्धि हुई है और उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है।

इस अवसर पर डूडा अधिकारी आनंद मणि ने लाभार्थियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और अधिक से अधिक पात्र लोगों को इन योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अपर उप जिलाधिकारी प्रेम शंकर पांडेय, अधिशासी अधिकारी आलोक मिश्रा, राकेश अग्रहरी, संजीव शुक्ला, बंधु यादव, भारत, सुदर्शन यादव और राहुल मोदनवाल सहित कई पथ विक्रेता मौजूद रहे।

युवक की मौत को लेकर गोंडा-लखनऊ हाईवे जाम किया, परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया

संवाददाता—गोण्डा। गोंडा जिले के करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र में 20 वर्षीय राहुल कश्यप की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस घटना से नाराज परिजनों ने आज मंगलवार देर शाम गोंडा-लखनऊ हाईवे पर शव रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। उन्होंने हत्या का आरोप लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। यह प्रदर्शन सकरौर ग्राम पंचायत के वोटनपुरवा स्थित ब्रह्मचारी स्थान के पास शाम 5रू40 बजे से शुरू हुआ। हाईवे जाम होने के कारण गोंडा से लखनऊ और लखनऊ से गोंडा आने-जाने वाले वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे यातायात बाधित हो गया है।

सूचना मिलते ही करनैलगंज कोतवाल मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि, परिजन आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और पूरे मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग पर अड़े हुए हैं। मृतक राहुल कश्यप के पिता पप्पू कश्यप ने बताया कि उनके बेटे की हत्या की गई है।

उन्होंने अपने मौसी के लड़के पंकज पर हत्या का आरोप लगाया। पप्पू कश्यप के अनुसार, पंकज उनके बेटे को सोमवार सुबह 11 बजे घर से बुलाकर ले गया था। पिता ने बताया कि जब उन्होंने बेटे के बारे में पूछा तो उन्हें करनैलगंज रोडवेज बस स्टॉप और फिर रेलवे स्टेशन जाने को कहा गया।

रात में उन्हें ब्रह्मचारी स्थान पिपरी के निकट गोंडा-लखनऊ रेल मार्ग पर राहुल का शव मिला। परिजनों ने मांग की है कि पंकज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेजा जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, वे शव का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे और हाईवे पर प्रदर्शन जारी रखेंगे।

राहुल कश्यप लोहे की दुकान पर वेल्डिंग का काम करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। कर्नलगंज कोतवाल नरेंद्र प्रताप राय ने बताया कि पप्पू कश्यप के बेटे राहुल कश्यप का कल करनैलगंज के ब्रह्मचारी स्थान पिपरी के निकट गोंडा लखनऊ रेल मार्ग पर इसका शव मिला था। जिसे कब्जे में लेकर परिजनों के सामने ही पंचायत नामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था। आज पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को बॉडी अंतिम संस्कार करने के लिए दी गई थी। लेकिन परिजन अंतिम संस्कार ना करके गोंडा-लखनऊ हाईवे पर ब्रह्मचारी स्थान के पास रखकर के प्रदर्शन कर रहे हैं। इन लोगों की मांग है कि मुकदमा दर्ज किया जाए पुलिस फिलहाल सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है परिजनों को समझने का प्रयास किया जा रहा है। परिजनों को कार्रवाई क आश्वासन दिया जा रहा है मौके पर पुलिस फोर्स मौजूद है।

ट्रैफिक-सिपाही और रोडवेज-परिचालक में विवाद के बाद सड़क जाम

संवाददाता—देवरिया। मंगलवार को शहर में यातायात पुलिसकर्मी और उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (रोडवेज) के एक परिचालक के बीच हुए विवाद ने बड़ा रूप ले लिया। मारपीट के आरोप के बाद आक्रोशित रोडवेज कर्मचारियों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया और बसें खड़ी कर यातायात रोक दिया। इससे शहर के प्रमुख मार्ग पर लंबा जाम लग गया और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, रोडवेज बस संख्या यूपी-52 एटी 2585 के परिचालक चंदन कुमार यादव का आरोप है कि बस स्टेशन गेट के पास ड्यूटी के दौरान उनकी एक यातायात सिपाही से कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर सिपाही ने उनके साथ मारपीट की। परिचालक का यह भी कहना है कि उन्हें कोतवाली ले जाया गया, जहां भी उनके साथ अभद्रता और मारपीट की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दौरान उनकी इलेक्ट्रॉनिक टिकट मशीन क्षतिग्रस्त हो गई और बैग में रखा नकद कैश भी गायब हो गया। चंदन यादव ने मामले की लिखित शिकायत अधिकारियों को सौंपते हुए कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में रोडवेज चालक, परिचालक और कर्मचारी मौके पर पहुंच गए।

आक्रोशित कर्मचारियों ने रोडवेज परिसर के बाहर सड़क पर प्रदर्शन शुरू कर दिया और बसें खड़ी कर आवागमन रोक दिया। इससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। यात्रियों, स्कूली बच्चों और राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। रोडवेज परिसर और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मौके पर रोडवेज कर्मियों और यातायात पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। स्थिति बिगड़ने की सूचना पर पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी ने रोडवेज कर्मचारियों से बातचीत की और मामले की निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि यदि जांच में संबंधित पुलिसकर्मी दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने यह भी कहा कि आवश्यकता पड़ने पर संबंधित कर्मी को निलंबित करने जैसी कार्रवाई भी की जा सकती है। अधिकारियों के आश्वासन के बाद रोडवेज कर्मचारियों ने प्रदर्शन समाप्त कर सड़क से बसों को हटाया। इसके बाद धीरे-धीरे यातायात सामान्य हो सका। हालांकि कुछ समय तक पूरे इलाके में जाम की स्थिति बनी रही और लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और दोनों पक्षों से जानकारी ली जा रही है। जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और किसी भी पक्ष के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। घटना के बाद पूरे दिन रोडवेज परिसर और आसपास के क्षेत्र में इस मामले को लेकर चर्चा का माहौल बना रहा।

कमिश्नर ने ब्लैक बेल्ट प्राप्त ताइक्वांडो खिलाड़ियों किया सम्मानित

संवाददाता—गोण्डा। मंगलवार को मंडलायुक्त देवीपाटन दुर्गा शक्ति नागपाल ने 30 ताइक्वांडो खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इन खिलाड़ियों ने ताइक्वांडो महासंघ कोरिया से ब्लैक बेल्ट की उपाधि प्राप्त की है। इनमें 19 बालक और 11 बालिकाएं शामिल हैं। मंडलायुक्त ने अपने कार्यालय में आयोजित समारोह में खिलाड़ियों को ब्लैक बेल्ट प्रमाण पत्र,आईडी कार्ड, पदक और पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करते हैं।नागपाल ने विशेष रूप से बालिकाओं को खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने और आत्मरक्षा के प्रति स्वयं जागरूक बनने के लिए प्रोत्साहित किया है। सभी बच्चों की कड़ी मेहनत की सराहना की है और उन्होंने गोंडा ताइक्वांडो एसोसिएशन की भी प्रशंसा की। मंडलायुक्त ने कहा कि एसोसिएशन द्वारा दिए जा रहे गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण के कारण जनपद के खिलाड़ी ताइक्वांडो में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं और प्रदेश व देश स्तर पर गोंडा का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से उनकी भावी योजनाओं और लक्ष्यों के बारे में भी जानकारी ली। इस दौरान गोंडा ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव डॉ. प्रत्यूष राज ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों और एसोसिएशन की गतिविधियों की जानकारी दी। मंडलायुक्त ने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर राष्ट्र और जनपद का गौरव बढ़ाने तथा सशक्त भारत के निर्माण में भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया है।

ब्लैक बेल्ट उपाधि प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों में अर्णव सोनी, अथर्व राज सोनी, नैतिक तिवारी, प्रांजल पांडेय, अंकुर आर्या, मोबीन, पुष्कर शुक्ला, कुशाग्र शर्मा, निर्भय शेखर तिवारी, राम मिश्रा, अरहम मंजूर, शौर्य गुप्ता, प्रणय प्रजापति, शिवांश मिश्रा, प्रमुदित राजपाल, सौम्य सिंह राणा, अभ्युदय सिंह, संभव प्रकाश, आशीष आर्या, अनमोल शुक्ला, नवनीत सिंह शामिल हैं। बालिका वर्ग में अक्षिता सिंह, ज्योति चौधरी, आराध्या गुप्ता, वैभवी सिंह, नैना उपाध्याय, अनुष्का गुप्ता, कृषा श्रीवास्तव, अनन्या सिंह, मान्या गुप्ता, स्नेह मिश्रा और श्रद्धा गुप्ता को सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रदान करने वाले प्रशिक्षक देवेंद्र शर्मा और संदीप चौहान को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया है।

पुलिस भर्ती परीक्षा कड़ी सुरक्षा में संपन्न

संवाददाता—महराजगंज। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा का दूसरा दिन मंगलवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। जनपद के 13 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह परीक्षा आयोजित की गई। इसमें कुल 8868 अभ्यर्थी शामिल हुए, जबकि 2652 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। पुलिस विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, जनपद में प्रत्येक पाली में 5760 अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। प्रथम पाली में 4445 तथा द्वितीय पाली में 4423 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर सुरक्षा और निगरानी के विशेष इंतजाम किए गए थे, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित बनी रही। परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था की कमान स्वयं पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी ने संभाली। उन्होंने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। केंद्रों पर प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की सघन जांच और फ्रिस्किंग की गई। पूरी परीक्षा सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में संपन्न हुई।

भर्ती परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए जिले में व्यापक पुलिस बल तैनात किया गया था। परीक्षा ड्यूटी में 1 पुलिस उपाधीक्षक, 23 निरीक्षक एवं थाना प्रभारी, 30 उपनिरीक्षक, 109 हेड कांस्टेबल, 202 कांस्टेबल, 104 महिला आरक्षी और 13 एलआईयू कर्मियों सहित कुल 482 पुलिसकर्मी लगाए गए थे। इसके अतिरिक्त, कानून-व्यवस्था और यातायात प्रबंधन के लिए 3 पुलिस उपाधीक्षक, 6 निरीक्षक, 13 उपनिरीक्षक, 33 पुलिसकर्मी और 17 ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की अतिरिक्त तैनाती की गई थी, जिससे कुल 554 पुलिसकर्मी ड्यूटी पर रहे।

पुलिस अधीक्षक अवस्थी ने बताया कि परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता थी। उन्होंने पुष्टि की कि सभी केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा प्रबंधों और सतर्क निगरानी के कारण परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि भर्ती परीक्षा का तीसरा दिन बुधवार को होगा, जिसके लिए सभी 13 केंद्रों पर कुल 11,520 अभ्यर्थियों के परीक्षा देने की व्यवस्था की गई है।

प्लास्टिक मुक्त गांव के लिए 21 तक चलेगा अभियान

संवाददाता—गोण्डा। जिले में ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ व प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से 21 जून तक समेकित जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत आठ जून से सभी ग्राम पंचायतों में विशेष पॉलिथीन संग्रह अभियान शुरू कर दिया गया है। डीपीआरओ लालजी दूबे ने सभी एडीओ(पंचायत) व खंड प्रेरकों को निर्देशित किया है कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में अभियान चलाकर कम से कम 20 किलोग्राम पॉलिथीन एकत्र कर रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) पर जमा कराई जाए। यह कवायद जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी द्वारा आयोजित समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के क्रम में शुरू की गई है। अभियान के सफल संचालन के लिए पंचायत स्तर पर जनप्रतिनिधियों, पंचायत सहायकों, स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। डीपीआरओ लालजी दूबे ने बताया कि पॉलिथिन और एकल उपयोग वाले प्लास्टिक का बढ़ता उपयोग पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। इससे भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है, जल निकासी व्यवस्था बाधित होती है तथा पशुओं के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान ग्रामीणों को पॉलिथीन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए उसके उपयोग को कम करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। साथ ही एकत्रित पॉलिथिन का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

कांग्रेस का पेपर लीक, बेरोजगारी पर प्रदर्शन

संवाददाता—कुशीनगर। जिले में मंगलवार को तमकुहीराज तहसील मुख्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पेपर लीक, बढ़ती बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था में कथित अव्यवस्थाओं के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की छात्र और युवा विरोधी नीतियों के कारण लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। प्रदर्शन का नेतृत्व कांग्रेस नेता अमित सिंह और डॉ. प्रभु गुप्ता ने किया। बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता तख्तियां लेकर तहसील परिसर पहुंचे और अपनी नाराजगी व्यक्त की।

नेताओं ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कई महत्वपूर्ण भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए हैं। इससे परीक्षा प्रणाली में युवाओं का विश्वास कम हो रहा है। उन्होंने परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की।

कांग्रेस नेता चंद्रशेखर आर्य ने कहा कि नई शिक्षा नीति और केंद्र सरकार की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा और रोजगार जैसे मूलभूत मुद्दों से ध्यान भटका रही है, और युवाओं को रोजगार देने के बजाय उन्हें अनिश्चितता की ओर धकेल रही है।

वक्ताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के कार्यकाल में हुए विभिन्न परीक्षा विवादों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं ने परीक्षा प्रबंधन और सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस नेताओं ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग की।

प्रदर्शन के बाद कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम आकांक्षा मिश्रा को राष्ट्रपति के नाम संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और युवाओं के हितों की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की गई।

इस प्रदर्शन में कांग्रेस के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि युवाओं की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

सीएमओ ने सीएचसी उतरौला की सफाई व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

संवाददाता—बलरामपुर। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उतरौला का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय में कार्यरत सभी अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित पाए गए। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने ओपीडी, वार्ड, दवा वितरण केंद्र के साथ अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर चिकित्सालय परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. चंद्र प्रकाश को चिकित्सालय भवन व परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर व सुव्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। कहा कि मरीजों व तीमारदारों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना स्वास्थ्य संस्थानों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने स्वास्थ्य कर्मियों से समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की अपेक्षा की। कहा कि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

बेलभरिया विद्युत उपकेंद्र पहुंचे डीएम, बिजली व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

संवाददाता—बलरामपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर व निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डीएम डॉ. विपिन कुमार जैन ने विकास खंड हरैया सतघरवा स्थित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र बेलभरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने बिजली आपूर्ति व्यवस्था, वोल्टेज की स्थिति व उपभोक्ताओं को मिलने वाली सेवाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की वर्तमान स्थिति, ट्रिपिंग की समस्या, लो-वोल्टेज की शिकायतों व ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली वितरण व्यवस्था के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण व निर्बाध बिजली उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। किसी भी शिकायत का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। ग्राम बैजपुर स्थित बंद पड़े विद्युत उपकेंद्र में पहुंचे। उपकेंद्र की वर्तमान स्थिति का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को इसके पुनः संचालन के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैजपुर उपकेंद्र के दोबारा चालू होने से आसपास के गांवों में लंबे समय से बनी कम वोल्टेज की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा। हजारों ग्रामीण उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली आपूर्ति का लाभ मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में सुचारु विद्युत व्यवस्था शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। बिजली आपूर्ति में किसी प्रकार की लापरवाही या तकनीकी खामी को गंभीरता से लिया जाएगा। अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने, फाल्ट में तत्काल कार्रवाई करने व उपभोक्ताओं की समस्याओं के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने यह भी कहा कि बिजली व्यवस्था में सुधार से ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि, शिक्षा, छोटे व्यवसायों व घरेलू गतिविधियों को नई गति मिलेगी। इसलिए विभाग को जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करना चाहिए। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता विद्युत सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मां के ब्रह्मभोज के खर्च को लेकर विवाद, बड़े भाई ने छोटे भाई को गोली मारी, मौत

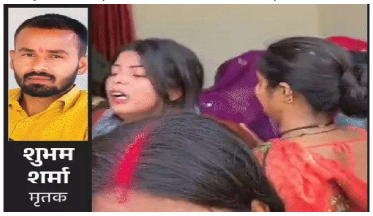

संवाददाता–गोरखपुर। मां के ब्रह्मभोज के दिन में बड़े भाई ने छोटे भाई की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद बड़ा भाई घर से भाग गया। हत्या के बाद मझले भाई ने बड़े भाई की स्कूटी को फावड़े से तोड़ दिया। खून से लथपथ छोटे भाई को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मई में छोटे भाई सत्यप्रकाश उर्फ शुभम शर्मा (23) की इंगेजमेंट हुई थी। फरवरी– 2027 में उसकी शादी होनी थी। मौत की सूचना पर शुभम की मंगेतर वहां पहुंचकर चीखने–चिल्लाने लगी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मामला मंगलवार दोपहर पिपराइच थाना क्षेत्र का है। जंगल धूषण बड़की रेतवाहिया गांव में कोमल शर्मा रहते हैं। उनकी पत्नी सावित्री देवी की 16 दिन पहले मौत हो गई थी। मंगलवार को परिवार उनका तेरहवीं संस्कार कर रहा था। दोपहर करीब 12रू30 बजे सावित्री के बड़े बेटे दुर्गविजय शर्मा और छोटे बेटे भाई शुभम के बीच ब्रह्मभोज में खर्च होने वाले रुपए को लेकर झगड़ा हो गया।

धीरे–धीरे बात बढ़ती गई और दुर्गविजय मारपीट पर उतारू हो गया। गुस्से में आकर दुर्गविजय शर्मा ने छोटे भाई शुभम को गोली मार दी। सीने में गोली लगने से शुभम गंभीर रूप से घायल हो गया। घरवाले उसे मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। आरोपी भाई दुर्गविजय की तलाश की जा रही है। गांववालों ने बताया कि इस परिवार में 4 भाई थे। सबसे बड़ा दुर्गविजय है। फिर श्यामू, सोनू और सबसे छोटा शुभम था। दुर्गविजय गांव में 500 मीटर दूरी पर अलग घर बनाकर अपने परिवार के साथ रहता है। उसके साथ छोटा भाई सोनू भी रहता है। इसके अलावा श्यामू और शुभम अपने पिता कोमल शर्मा के अलग घर में रहते थे। चारों ने मिलकर ब्रह्मभोज का इंतजाम किया था। मां की मौत के बाद मंगलवार को ब्रह्मभोज का कार्यक्रम रखा गया था। घरवाले शोक में डूबे थे। लेकिन, आयोजन को लेकर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि छोटे भाई की जान चली गई। मां के ब्रह्मभोज वाले दिन हुई इस घटना से पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया है। शुभम प्रॉपर्टी डीलर था। मई महीने में गोरखनाथ मंदिर में उसकी इगेंजमेंट हुई थी। जबकि आरोपी बड़ा भाई दुर्गविजय ऑटो चलाता था। वारदात के बाद दुर्गविजय की पत्नी की हालत भी बिगड़ गई। उसे सीएचसी पहुंचाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद पुलिस सुरक्षा में उसे रखा गया है। एसपी नार्थ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि चचेरे भाई मनोज शर्मा की तहरीर पर आरोपी दुर्गविजय शर्मा के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोपी के परिजनों और साले को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस की 3 टीमें आरोपी दुर्गविजय की तलाश में जुटी हैं। आरोपी दुर्गविजय गांव में परिवार से अलग घर बनवाकर रहता था। यह घटनास्थल से 500 मीटर की दूरी पर है। उसके साथ छोटा भाई सोनू भी रहता था। इसके अलावा श्यामू और शुभम पिता कोमल शर्मा के साथ रहते थे। दुर्गविजय ने अपने घर पर ही बारबर (नाई) की दुकान खोली थी। घटना के बाद नाराज लोगों ने दुकान में तोड़फोड़ कर दी। सुरक्षा के लिहाज से वहां भी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है।

संतकबीरनगर में एपीओ और टीए के सेवा समाप्ति की तैयारी

संवाददाता– संतकबीर नगर। संतकबीरनगर जिले में एक अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी 'एपीओ' और एक तकनीकी सहायक टीए की सेवा समाप्त करने की तैयारी चल रही है। मनरेगा के उपायुक्त ने दोनों के खिलाफ सेवा समाप्ति की पत्रावली जिलाधिकारी कार्यालय को भेज दी है। उपायुक्त श्रम व रोजगार प्रभात द्विवेदी ने बताया कि बेलहर ब्लॉक में तैनात एपीओ मदन मोहन पिछले एक महीने से बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित हैं। उन पर मनरेगा के तहत अपने दायित्वों का निर्वहन न करने का आरोप है। कई बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद उनके व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया, जिसके बाद उनकी सेवा समाप्ति की प्रक्रिया शुरू की गई है।

इसी तरह, खलीलाबाद ब्लॉक में तैनात तकनीकी सहायक पर भी गंभीर आरोप हैं। स्थानांतरण के बाद भी उन्होंने बैकडेट में हस्ताक्षर किए हैं। इसके अतिरिक्त, खलीलाबाद ब्लॉक के तामा गांव में गबन की गई धनराशि को उन्होंने अभी तक जमा नहीं किया है। उनके खिलाफ अन्य आरोप भी लगे हैं। इन सभी आरोपों के मद्देनजर, तकनीकी सहायक की सेवा समाप्ति से संबंधित फाइल भी जिलाधिकारी के पास पहुंच चुकी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इन दोनों कर्मचारियों की सेवा समाप्त कर दी जाएगी।

कालानमक चावल को वैश्विक पहचान मिलेगी, सिंगापुर की कंपनी से हुआ एमओयू

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले के प्रसिद्ध कालानमक चावल को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मंगलवार शाम को कैंप कार्यालय में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. की अध्यक्षता में कालानमक चावल एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) की जनपद स्तरीय समिति की बैठक आयोजित हुई। मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह भी इस दौरान उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारी ने कालानमक धान के उत्पादन में वृद्धि पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को किसानों के बीच व्यापक प्रचार–प्रसार करने, अधिक गोष्ठियां आयोजित करने और अनुबंधित खेती (कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग) को बढ़ावा देने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि कालानमक चावल की बढ़ती मांग को देखते हुए अधिक किसानों को इस अभियान से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने एसपीवी (स्पेशल पर्पज व्हीकल) और किसान सदस्यों की संख्या बढ़ाने के लिए भी कदम उठाने को कहा। सीएफसी के निदेशक ने बैठक में बताया कि आगामी सत्र में 1500 मीट्रिक टन कालानमक धान की खरीद और प्रसंस्करण के लिए सिंगापुर की कंपनी बुद्धा राइस के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस एमओयू से जिले के किसानों को अपनी उपज के बेहतर विपणन और उचित मूल्य मिलने की संभावना बढ़ेगी। निदेशक ने यह भी जानकारी दी कि एसपीवी से जुड़े किसानों के अलावा, ऐसे गैर–एसपीवी किसानों जिनके पास चार टन या उससे अधिक कालानमक धान उपलब्ध होगा, उनके धान का प्रसंस्करण और परिवहन निःशुल्क किया जाएगा। इस सुविधा से किसानों की लागत कम होगी और कालानमक धान की खेती के प्रति उनका रुझान बढ़ेगा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कालानमक चावल की गुणवत्ता और उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, उन्हें सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाया जाए, ताकि सिद्धार्थनगर का कालानमक चावल राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी अलग पहचान बना सके। बैठक में जिला कृषि अधिकारी रविशंकर पांडेय, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, सहायक उपायुक्त उद्योग शिवशंकर कुमार, एसपीवी के सदस्य और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गैस सिलेंडर फटने से 85 हजार रुपए जले

संवाददाता– मेहदावल, (संत कबीर नगर)। जिले के बखीरा थाना क्षेत्र के ग्राम दुर्गजोत में गैस सिलेंडर फटने से एक परिवार को आर्थिक नुकसान हुआ है। इस हादसे में घर में रखे 85,000 रुपये नकद जलकर नष्ट हो गए। पीड़ित ने अब जले हुए नोटों को बदलवाने के लिए जिलाधिकारी से मदद की गुहार लगाई है। ग्राम दुर्गजोत निवासी मो. साबिर पुत्र सेराजुद्दीन के घर में 3 जून 2026 को अचानक गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया। विस्फोट के बाद लगी आग ने घर में रखी नगदी को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में कुल 85,000 रुपये जल गए, जिनमें से लगभग 45,000 रुपये के नोट आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। पीड़ित साबिर ने बताया कि यह रकम उसकी बहन की आगामी शादी के लिए घर में रखी गई थी। इस अप्रत्याशित हादसे के कारण परिवार को आर्थिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

साबिर ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अनुरोध किया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नियमों के अनुसार जले हुए नोटों को बदलवाने की आवश्यक कार्यवाही की जाए, ताकि उन्हें राहत मिल सके।

आरबीआई के दिशा–निर्देशों के अनुसार, यदि नोट 50 प्रतिशत से अधिक सुरक्षित हैं और उन पर आवश्यक पहचान चिन्ह स्पष्ट हैं, तो उन्हें बैंक के माध्यम से बदला जा सकता है। ऐसे में पीड़ित को प्रशासनिक सहायता मिलने की उम्मीद है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी आनन्द पुत्र राम सूरत ग्राम–मेढ़ौवा पोस्ट– पोखरा बाजार जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरे एक पालिसी में मेरा पुकारू नाम अरविन्द कुमार अंकित हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम आनन्द पुत्र राम सूरत है। आधारकार्ड एवं अन्य अभिलेखों में मेरा नाम आनन्द है। पालिसी में मेरे पुकारू नाम अरविन्द कुमार के स्थान पर आनन्द नाम दर्ज कराते हुये भुगतान कराया जाय।

नवजात की मौत के 14 दिन बाद नहीं आई रिपोर्ट

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। इटवा स्थित जनता सेवा हॉस्पिटल में नवजात शिशु की मौत का मामला अब स्वास्थ्य विभाग की जांच प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. रजत कुमार चौरसिया ने 26 मई को तीन सदस्यीय जांच समिति गठित कर एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन 14 दिन बीत जाने के बाद भी जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हो सकी है। मंगलवार को पीड़ित परिवार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन और सीएमओ डॉ. रजत कुमार चौरसिया से मुलाकात कर पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की। परिजनों का आरोप है कि नवजात की मौत जैसे गंभीर मामले में जांच अनावश्यक रूप से लंबी खींची जा रही है। मामले का सबसे बड़ा विवाद ऑपरेशन करने वाले व्यक्ति की पहचान को लेकर सामने आया है। पीड़िता वंदना ने एक वीडियो बयान जारी कर दावा किया है कि 23 मई की रात उनका ऑपरेशन डॉ. डाली शर्मा ने नहीं किया था।

मोदी सरकार की उपलब्धियों पर जनसंपर्क अभियान, वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान, योजनाओं की जानकारी दी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा चलाए जा रहे जनसंपर्क अभियान के तहत खेसरहा मंडल में मंगलवार को मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई गई। यह कार्यक्रम निर्धारित योजना के अनुसार आयोजित किया गया।

इस अभियान के तहत, भाजपा के पूर्व जिला मंत्री और डायरेक्टर दिलीप चतुर्वेदी ने ग्राम कड़जा निवासी वरिष्ठ नागरिक चंद्रबली गुप्ता के आवास पर पहुंचकर उन्हें सम्मानित किया। चतुर्वेदी ने केंद्र सरकार द्वारा पिछले 12 वर्षों में किए गए विकास कार्यों, गरीब कल्याण योजनाओं, किसान हित में उठाए गए कदमों और देश की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा पर विस्तार से चर्चा की।

दिलीप चतुर्वेदी ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने बताया कि इस जनसंपर्क अभियान का मुख्य उद्देश्य सरकार की उपलब्धियों को घर–घर तक पहुंचाना और जनता के साथ सीधा संवाद स्थापित करना है।

कार्यक्रम में स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीण भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। भाजपा नेताओं ने उपस्थित लोगों से सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने और विकास कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा क्षेत्र के आमकोल गांव निवासी विकास (25) पुत्र दलित बल्ली की मंगलवार सुबह करमहा ओवरब्रिज के नीचे ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।विकास मंगलवार सुबह घर से किसी काम के सिलसिले में निकला था। इसी दौरान करमहा ओवरब्रिज के नीचे वह ट्रेन की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस और परिजनों को दी। ग्रामीणों के अनुसार कुछ माह पहले विकास मिट्टी लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया था।

उस दुर्घटना में उसके सिर में गहरी चोट आई थी और तब से उसका उपचार चल रहा था। परिजन अभी उस हादसे से पूरी तरह उबर भी नहीं पाए थे कि यह दूसरी त्रासदी परिवार पर टूट पड़ी। मृतक अविवाहित था और परिवार के भरण–पोषण में सहयोग करता था। उसकी मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। माता–पिता समेत अन्य परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

राणा ने हॉक स्पोर्ट्स को तीन विकेट से हराया

संवाददाता–गोरखपुर। माउंट लिट्रा जी स्कूल कुसम्ही क्रिकेट ग्राउंड पर आयोजित अंडर–12 मुकाबले में मंगलवार को राणा क्रिकेट क्लब अंडर–12 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हॉक स्पोर्ट्स अंडर–12 को 3 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। मैच के नायक रहे श्रेयांश पाण्डेय ने गेंद और बल्ले दोनों से महत्वपूर्ण योगदान देते हुए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार अपने नाम किया। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए हॉक स्पोर्ट्स अंडर–12 ने निर्धारित 35 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 170 रन बनाए। कृष्णा कुमार ने 41 रनों की उपयोगी पारी खेली, जबकि विधांत यादव ने 32 रन जोड़े। णा क्रिकेट क्लब की ओर से श्रेयांश पांडे ने 7 ओवर में मात्र 15 रन देकर 3 विकेट झटके। 171 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राणा क्रिकेट क्लब की शुरुआत मजबूत रही।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0– /2026
धारा 11(1) सी0एच0एक्ट
अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त चकबन्दी अधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
भीमसेन
बनाम
श्रीमती पुष्पा आदि
1. श्रीमती पुष्पा पुत्री उदय नरायन निवासी ग्राम बेलसुही तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 2. जानकी देवी पत्नी उदय नरायन निवासी बेलसुही तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 3. सरकार उत्तर प्रदेश
–विपक्षी प्रथम वर्ग
4. कन्दर्प नरायन पुत्र मंगल प्रसाद निवासी ग्राम बेलसुही तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती
–विपक्षी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 17–06–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 17 महीना 06 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह 08 06 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0– /2026
धारा 11(1) सी0एच0एक्ट
अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त चकबन्दी अधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
भीमसेन
बनाम
श्रीमती राधिका आदि
1. श्रीमती राधिका पुत्री उदय नरायन पत्नी मनोज कुमार निवासी ग्राम सादिकगंज तप्पा दखिन हवेली परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर हाल मुकाम एम0जी–2 प्लाट नं0–904 ग्राउन्ड फ्लोर विहाइन्ड पुलिस चौकी साहिबाबाद जिला गाजियाबाद 2. जानकी देवी पत्नी उदय नरायन निवासी बेलसुही तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 3. सरकार उत्तर प्रदेश
–विपक्षी प्रथम वर्ग
4. कन्दर्प नरायन पुत्र मंगल प्रसाद निवासी ग्राम बेलसुही तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती
–विपक्षी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 17–06–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 17 महीना 06 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह 08 06 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0–
धारा 11(1) सी0एच0एक्ट
अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त चकबन्दी अधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
भीमसेन
बनाम
महेन्द्र मणि पाण्डेय आदि
1. महेन्द्र मणि पाण्डेय पुत्र जगदम्बा पाण्डेय निवासी ग्राम निपनियॉ तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 2. जानकी देवी पत्नी उदय नरायन निवासी बेलसुही तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 3. सरकार उत्तर प्रदेश
–विपक्षी प्रथम वर्ग
4. कन्दर्प नरायन पुत्र मंगल प्रसाद निवासी ग्राम बेलसुही तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती
–विपक्षी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 17–06–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 17 महीना 06 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह 08 06 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0– /2026
धारा 11(1) सी0एच0एक्ट
अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त चकबन्दी अधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
भीमसेन
बनाम
श्रीमती संध्या आदि
1. श्रीमती संध्या पत्नी कृष्ण कुमार निवासी बेलसुही हाल मुकाम सी141/289 अमर सिंह विद्यालय के पास हुमायूँपुर साऊथ गोरखपुर 2. जानकी देवी पत्नी उदय नरायन निवासी बेलसुही तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 4. सरकार उत्तर प्रदेश
–विपक्षी प्रथम वर्ग
4. कन्दर्प नरायन पुत्र मंगल प्रसाद निवासी ग्राम बेलसुही तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती
–विपक्षी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 17–06–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 17 महीना 06 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह 08 06 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0–
धारा 11(1) सी0एच0एक्ट
अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त चकबन्दी अधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
भीमसेन
बनाम
मो0 हुसेन आदि
1. मो0 हुसेन 2. रमजान अली पुत्रगण जोखन अली निवासी ग्राम फैज रसूल मस्जिद सी 27ए रफीक नगर गोवंडी मुम्बई 3. श्रीमती जानकी देवी पत्नी उदयनरायन साकिन बेलसुही तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 4. सरकार उत्तर प्रदेश
–विपक्षी प्रथम वर्ग
4. कन्दर्प नरायन पुत्र मंगल प्रसाद निवासी ग्राम बेलसुही तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती
–विपक्षी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 17–06–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 17 महीना 06 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह 08 06 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0–
धारा 11(1) सी0एच0एक्ट
अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त चकबन्दी अधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
भीमसेन
बनाम
श्रीमती पूनम मिश्रा आदि
1. श्रीमती पूनम मिश्रा पुत्री उदय नरायन साकिन बेलसुही तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 2. श्रीमती जानकी देवी पत्नी उदय नरायन निवासी बेलसुही तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 3. सरकार उत्तर प्रदेश
–विपक्षी प्रथम वर्ग
4. कन्दर्प नरायन पुत्र मंगल प्रसाद निवासी ग्राम बेलसुही तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती
–विपक्षी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 17–06–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 17 महीना 06 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह 08 06 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0– /2026
धारा 11(1) सी0एच0एक्ट
अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त चकबन्दी अधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
भीमसेन
बनाम
महेन्द्र मणि पाण्डेय आदि
1. महेन्द्र मणि पाण्डेय पुत्र जगदम्बा पाण्डेय निवासी ग्राम निपनियॉ तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 2. जानकी देवी पत्नी उदय नरायन निवासी बेलसुही तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 3. सरकार उत्तर प्रदेश
–विपक्षी प्रथम वर्ग
4. कन्दर्प नरायन पुत्र मंगल प्रसाद निवासी ग्राम बेलसुही तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती
–विपक्षी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 17–06–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 17 महीना 06 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह 08 06 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

सूचना

पहले मेरा नाम कमरुज्जमा पुत्र छोटक अली था। अब मै अपना नाम बदलकर कमरुज्जमा छोटक अली चौधरी पुत्र छोटक अली सिद्दीकी ग्राम, बुढाननगर, पोस्ट, सैथवलियां, थाना, दुधारा, जिला संतकबीरनगर कर लिया हूँ। अब मुझे इसी नाम व पते से जाना पहचाना जाए।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com